आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 27.08.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी जिले के स्यानाचट्टी में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया।
- प्रदेश सरकार ने सभी विभागों को स्थायीकरण नियमावली– 2002 का अनुपालन करते हुए राज्य के सरकारी पात्र कार्मिकों के स्थायीकरण के आदेश दिए।
- जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटी रुड़की में प्रदेश के अधिकारियों और शिक्षाविदों से प्रौद्योगिकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।
- प्रदेश में गणेश चतुर्थी का उत्सव पारंपरिक उत्साह के साथ शुरू।

मुख्यमंत्री/स्यानाचट्टी निरीक्षण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज उत्तरकाशी जिले के स्यानाचट्टी में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनकर हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने स्यानाचट्टी में बनी अस्थाई झील का निरीक्षण किया और नदी मार्ग में जमा हुई गाद को हटाने और झील के मुहाने को चौड़ा करके त्वरित जल निकासी बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिलाधिकारी को जलभराव और मलबा आने से स्थानीय लोगों का हुए नुकसान का तत्काल आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा आवाजाही बाधित होने के कारण आलू की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कुपड़ा कुंशाला पुल का स्थलीय निरीक्षण कर जल्द से जल्द कार्यदायी संस्था नामित कर निर्माण कार्य शुरू करने और आवाजाही बहाल होने तक वैकल्पिक पैदल मार्ग को व्यवस्थित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने जगह–जगह भूस्खलन से बाधित मार्ग और यमुनोत्री मार्ग को सुचारू कर यात्रा के लिए जल्द खोलने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार हर पीड़ित परिवार के साथ है और प्रभावित लोगों को हुए नुकसान का आकलन कर जल्द से जल्द हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

आदेश

प्रदेश सरकार ने सभी विभागों को राज्य के सरकारी सेवकों के स्थायीकरण के आदेश दिए हैं। स्थायीकरण नियमावली– 2002 का समुचित अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पात्र कार्मिकों के स्थायीकरण आदेश बिना किसी विलंब के जारी करने को कहा गया है। इस संबंध में सचिव, कार्मिक, शैलेश बगोली ने शासनादेश जारी करते हुए सभी प्रमुख सचिवों, सचिवों, विभागाध्यक्षों, कार्यालय प्रमुखों, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है। शासनादेश में यह भी हिदायत दी गई है कि जिन कार्मिकों को पूर्व में विभागीय पदोन्नति प्रदान की जा चुकी है, लेकिन उनके स्थायीकरण के संबंध में कोई स्पष्ट आदेश जारी नहीं किया गया है, ऐसे प्रकरणों की तत्काल समीक्षा करते हुए नियमानुसार स्थायीकरण आदेश जारी किए जाएं। श्री बगोली ने कहा है कि सेवाकाल की निर्धारित परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने और विभागीय संवर्ग में उच्च पदों पर पदोन्नति प्राप्त कर लेने के बाद विभिन्न विभागों द्वारा कार्मिकों के स्थायीकरण के संबंध में विधिवत आदेश जारी नहीं किए जाने के तथ्य शासन के संज्ञान में आए हैं। विधिवत स्थायीकरण आदेश जारी न होने के कारण संबंधित कार्मिकों के सेवा–संयोजन, वेतन संरक्षण, पेंशन–हितलाभ आदि में कठिनाई उत्पन्न हो रही है और विधिक वाद–विवाद की स्थिति बन रही है। इसे देखते हुए राज्य के सरकारी सेवकों की स्थायीकरण

नियमावली– 2002 का समुचित अनुपालन कराए जाने और समय से स्थायीकरण आदेश जारी कराए जाने पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी है।

थराली राहत कार्य

चमोली जिले के थराली क्षेत्र में हाल ही में आई आपदा से प्रभावित आवासीय भवनों और दुकानों में आए मलबे को हटाने का कार्य जिला प्रशासन की पहल पर ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा तेजी से किया जा रहा है। विभाग के अधिशासी अभियंता, अल्ला दिया ने बताया कि इस कार्य के लिए कुल 18 मजदूर लगाए गए हैं। इनमें से 10 मजदूर थराली में और 8 मजदूर चेपड़ो में कार्यरत हैं। जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत पहुंचाने के लिए मलबा निस्तारण कार्य जल्दी ही पूरा कर लिया जायेगा।

जर्मन प्रतिनिधिमंडल

फ्रैंकफर्ट से आए जर्मनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज आईआईटी रुड़की में प्रदेश के अधिकारियों और शिक्षाविदों से मुलाकात कर प्रौद्योगिकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान आयोजित बैठक में इंजीनियरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचार–आधारित उद्यमों पर विशेष रूप से बातचीत हुई। फ्रैंकफर्ट सिटी पार्लियामेंट के सांसद और डिजिटलीकरण के प्रवक्ता राहुल कुमार के नेतृत्व में आए दल ने कहा कि वे भारत, विशेषकर उत्तराखंड के साथ मिलकर ऐसी नवीन तकनीकों पर काम करेंगे, जो वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाल सकें। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत ने उत्तराखंड प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें आईआईटी रुड़की और प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रोफ़ेसर पंत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की विजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य को निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के साथ ही लगातार निवेश की संभावनाओं तलाशी जा रहीं हैं। उन्होंने सेमीकंडक्टर, स्पेस साइंस, डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में अवसरों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस तरह का सहयोग स्थानीय रोज़गार सृजन में मददगार होगा और पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन को रोक पाने में कारगर साबित हो सकता है। दोनों पक्षों ने आशा व्यक्त की, कि उत्तराखंड और फ्रैंकफर्ट के बीच घनिष्ठ संबंध नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और निवेश के नए द्वार खोलेंगे और भारत–जर्मनी के सहयोग को और मजबूत करेंगे।

गणेश चतुर्थी

प्रदेश में गणेश चतुर्थी का उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर लोगों ने मंदिरों और पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा–अर्चना की। बागेश्वर के ऐतिहासिक बागनाथ मंदिर में स्वर्णकार संघ के तत्वावधान में आज गणेश महोत्सव का शुभारंभ हुआ। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के ने कहा कि महोत्सव को लेकर सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने सभी को गणेश महोत्सव की शुभाकामनाएं दीं।

चम्पावत जिले के लोहाघाट में 11 दिवसीय गणेश महोत्सव का कलश और डोला यात्रा के साथ शुभारम्भ हुआ। नगर भ्रमण के बाद रिकेश्वर मंदिर में गणेश जी की मूर्ति स्थापित की गई। उधर, केदारनाथ धाम में भी गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर केदारनाथ के मुख्य पुजारी बागेश लिंग ने मंदिर के द्वार पर स्थित भगवान गणेश की पूजा–अर्चना की। इसके बाद मंदिर परिसर में गणेश जी की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें तीर्थयात्रियों और तीर्थ पुरोहितों ने भाग लिया।

नेत्रदान पखवाड़ा

बागेश्वर जिला अस्पताल में 40वां नेत्रदान पखवाड़ा शुरु हो गया है। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने नेत्रदान का महत्व समझते हुए शपथ ली और नेत्रदान के सहमति पत्र भरे। इस दौरान चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की नेत्र जांच भी की गई। नेत्र चिकित्सक डॉ. कल्पना पांडे और आप्टोमैट्रिस्ट प्रदीप रावत ने नेत्रदान की प्रक्रिया और उसके महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृत्यु के बाद भी किसी के नेत्र, किसी और की दुनिया को रौशन कर सकते हैं।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. तपन शर्मा ने कहा कि नेत्रदान मानव जीवन की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की।